पंचदश

बिहार विधान-सभा

एकादश सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 22 अग्रहायण, 1935 (श0) / 13 दिसम्बर, 2013 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या-05

(1) स्वास्थ्य विभाग	04
(2) ऊर्जा विभाग	01
कुल योग ..	05

मीटरों को बिलिंग साइकिल में लाना

7. डॉ0 अच्युतानन्द—दैनिक समाचार–पत्र के दिनांक 16 नवम्बर, 2013 के अंक में छपी खबर "सवा चार लाख मीटरों की रीडिंग ही नहीं" शीर्षक के आलोक में क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में सवा चार लाख बिजली के मीटर ऐसे हैं जिनका रिडिंग नहीं हो रहा है जिसके कारण सरकारी राजस्व का घाटा हो रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि पावर होल्डिंग कम्पनी के अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही के कारण ऐसे लगभग सवा चार लाख मीटर बिलिंग साइकिल में नहीं आ पाये हैं ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उपरोक्त सवा चार लाख मीटरों को बिलिंग साइकिल में लाने के लिये कौन–से उपाय पर विचार कर रही है और कबतक ?

अनियमितता करने वालों पर कार्रवाई

8. श्री अरूण शंकर प्रसाद—स्थानीय दैनिक समाचार–पत्र में दिनांक 8 नवम्बर, 2013 को प्रकाशित शीर्षक "मधुबनी सहित छह जिलों में दवा खरीद में गड़बड़ी" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के 6 जिलों में वित्तीय वर्ष 2008–09 से 2011–12 तक दवा खरीद में करीब 1.33 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय अनियमितता की गयी है ;

(2) क्या यह बात सही है कि मधुबनी में 95,89,112 रुपये, वैशाली में 22,89,276 रुपये, समस्तीपुर में 24,92,076 रुपये, भागलपुर में 13,33,762 रुपये, गया में 21,33,986.60 रुपये, लेडी एलगिन अस्पताल, गया में 7,24,910.84 रुपये एवं कैमूर में 3,72,460 रुपये की दवा खरीद में अनियमितता उजागर हुआ है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त वित्तीय अनियमितता करने वाले लोगों पर कौन–सी कार्रवाई कबतक करना चाहती है और नहीं, तो क्यों ?

वेंटिलेटर की व्यवस्था करना

9. श्री राहुल कुमार—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पी0एम0सी0एच0 सहित राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों को मिलाकर पूरे राज्य में मेडिसिन आई0सी0यू0 में 7 ही वेंटिलेयर कार्यरत है, यदि हाँ, तो क्या सरकार राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में कम–से–कम 10–10 वेंटिलेटर की व्यवस्था जनहित में कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

मशीन चालू कराना

10. श्री अब्दुलबारी सिद्दिकी—दिनांक 6 नवम्बर, 2013 को स्थानीय दैनिक समाचार–पत्र में प्रकाशित समाचार शीर्षक "पी0एम0सी0एच0 में मशीनें तो कई हैं पर नहीं होती जाँच" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में विभिन्न रोगों की जाँच एवं इलाज हेतु वर्ष 2010 में कोबाल्ट (रेडिएशन) सी–आर्म (इमेजिंग मशीन), कोबास–बी 221 (आर्टिरियल ब्लड गैस एनालाइजर) यूरिन एनालाइजर, कोबास–सी III, इलेक्ट्रोफोरेसिस मशीन, बैक्टेरियोलॉजिकल कल्चर मशीन, हारमोनल एस्से मशीन, नेफैलोमीटर मशीन एवं डीप फ्रीजर मशीनों का क्रय किया गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि खंड (I) में वर्णित सभी मशीनें क्रय होकर आने के बाद से ही बंद पड़े हैं जिसका लाभ मरीजों को नहीं मिल रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो मशीनों के बंद पड़े रहने के लिये कौन–कौन पदाधिकारी दोषी हैं तथा सरकार कबतक इन मशीनों को चालू कराने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

अलग वार्ड की व्यवस्था करना

11. श्री अवनीश कुमार सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य में डेंगू के मरीजों के लिये मात्र पी0एम0सी0एच0, पटना में ही अलग वार्ड की व्यवस्था है जबकि राज्य के सभी क्षेत्रों में डेंगू के मरीज पाये जा रहे हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार सभी जिला एवं अनुमंडल अस्पतालों में डेंगू के मरीजों के लिये अलग वार्ड का गठन करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 13 दिसम्बर, 2013 (ई0)।

फूल झा,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान–सभा।

बि0स0मु0 (एल0ए0), 115–डी0टी0पी0–450